Nai Dunia (Indore), 1st July 2020, Page- 8

23 ग्लेशियर झीलों से मानव को खतरा

आइआइटी इंदौर के दो प्रोफेसर्स ने की ग्लेशियर पर रिसर्च

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंदौर द्वारा भारतीय हिमालय में ग्लेशियर झीलों की वर्तमान स्थिति का आकलन करने के लिए एक रिसर्च की गई है। इसमें कुछ ग्लेशियर झीलों को गंभीर खतरा पैदा करने वाली बताया गया है। रिसर्च में कहा गया है कि इससे सामाजिक और आर्थिक अपदाएं आ सकती हैं। ऐसी ही एक आपदा 17 जून 2013 को उत्तराखंड के केदारनाथ में हुई थी। इसमें जानमाल का भारी नुकसान हुआ था। संस्थान के प्रो. डॉ. मनीष कुमार गोयल और साकेत दुबे ने यह रिसर्च की है। इसे विली प्रकाशन समूह द्वारा जल संसाधन अनुसंधान में प्रकाशित किया गया है। इसे 2020 के

मनीष कुमार गोयल

साकेत दुबे

लिए नेचर क्लाइमेट चेंज द्वारा एक रिसर्च हाइलाइट के रूप में भी प्रस्तुत किया गया था।

डॉ. मनीष कुमार ने बताया पूरे भारतीय हिमालय और ग्लेशियर झीलों का अध्ययन करने पर पता लगा कि इनमें 23 महत्वपूर्ण ग्लेशियर झीलें हैं। इनसे मानव जीवन को खतरा हो सकता है। कई अन्य झीलों का भी हमने विश्लेषण कर उनके प्रवाह पथ की स्थिति को देखा। इससे पता चला कि 67 ग्लेशियर झीलों में एक हाइड्रोपावर प्रणाली है। इस स्थिति में विस्फोट ज्यादा विनाशकारी हो सकता है। कई कारणों से झील में हिमस्खलन भी हो रहा है। इसके कारण पानी के बांध टूट जाते हैं और आपदाएं आती हैं। प्रो. साकेत दुबे ने बताया विश्लेषण से पता लगा है कि भारतीय हिमालय में 329 ग्लेशियर झीलों में से 36 झील ज्यादा? संवेदनशील हैं। इनमें हिमस्खलन की संभावनाएं हैं। गुरुडोंगमार, त्सो ल्हामो और जेआरबी झील कुछ ऐसी झीलें हैं जिनमें बाढ़ आने की संभावना ज्यादा है। वहीं बहुत अधिक जोखिम वाली झीलों में खांगचुंग त्सो और शाखो चो शामिल है।